सामान्य हिंदी (कक्षा-12)

समय: 03:15 hr | UP BOARD EXAM | पूर्णांक: 100

Practice Set-1

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

निर्देश : (i) सम्पूर्ण प्रश्नपत्र **दो भागों–खण्ड 'क'** तथा **खण्ड 'ख'** में विभाजित है।
(ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

खण्ड-क

1. (क) 'कला और संस्कृति' के लेखक हैं : 1
(i) वासुदेवशरण अग्रवाल (ii) डॉ. ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम
(iii) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' (iv) डॉ0 हजारीप्रसाद द्विवेदी

(ख) निम्नलिखित में से कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' की रचना है : 1
(i) 'उरुज्योति' (ii) 'अग्नि की उड़ान'
(iii) 'महके आँगन चहके द्वार' (iv) 'मेरे विचार'

(ग) 'बाणभट्ट की आत्मकथा' किस विधा की रचना है? 1
(i) निबन्ध (ii) उपन्यास
(iii) रेखाचित्र (iv) आत्मकथा

(घ) निम्न में से हरिशंकर परसाई का निबन्ध-संग्रह है : 1
(i) 'विचार प्रवाह' (ii) 'प्रस्तुत प्रश्न'
(iii) 'पृथिवीपुत्र' (iv) 'तब की बात और थी'

(ङ) 'भाषा और आधुनिकता' के लेखक हैं : 1
(i) डॉ0 हजारीप्रसाद द्विवेदी (ii) डॉ0 वासुदेवशरण अग्रवाल
(iii) डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम (iv) प्रो0 जी0 सुन्दर रेड्डी

2. (क) गीता-संकलन 'पारिजात' किसकी कृति है? 1
(i) मैथिलीशरण गुप्त (ii) महादेवी वर्मा
(iii) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' (iv) जयशंकर प्रसाद

(ख) निम्न में से मैथिलीशरण गुप्त का पहला काव्यसंग्रह है : 1
(i) 'यशोधरा' (ii) 'भारत-भारती'
(iii) 'सिद्धराज' (iv) 'पंचवटी'

(ग) निम्न में से जयशंकर प्रसाद की काव्यकृति है? 1
(i) 'इत्यलम्' (ii) 'अनामिका'
(iii) 'द्वापर' (iv) 'चित्राधार'

(घ) सुमित्रानन्दन पन्त को 'साहित्य अकादमी' पुरस्कार किस कृति पर मिला था? 1
(i) 'युगान्त' (ii) 'कला और बूढ़ा चाँद'
(iii) 'लोकायतन' (iv) 'स्वर्ण किरण'।

(ङ) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' के सम्पादन में कुल कितने 'सप्तक' प्रकाशित हुए? 1
(i) एक (ii) दो
(iii) तीन (iv) चार।

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $5 \times 2 = 10$

रमणीयता और नित्य नूतनता अन्योन्याश्रित हैं, रमणीयता के अभाव में कोई भी चीज मान्य नहीं होती। नित्य नूतनता किसी भी सर्जक की मौलिक उपलब्धि की प्रामाणिकता सूचित करती है और उसकी अनुपस्थिति में कोई भी चीज वस्तुतः जनता व समाज के द्वारा स्वीकार्य नहीं होती। सड़ी-गली मान्यताओं से जकड़ा हुआ समाज जैसे आगे बढ़ नहीं पाता, वैसे ही पुरानी रीतियों और शैलियों की परम्परागत लीक पर चलनेवाली भाषा भी जन-चेतना को गति देने में प्रायः असमर्थ ही रह जाती है। भाषा समूची युग-चेतना की अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम है और ऐसी सशक्तता तभी वह अर्जित कर सकती है जब वह अपने युगानुकूल सही मुहावरों को ग्रहण कर सके। भाषा सामाजिक भाव-प्रकटीकरण की सुबोधता के लिए ही उद्दिष्ट है, उसके अतिरिक्त उसकी जरूरत ही सोची नहीं जाती।

(i) सर्जक की मौलिक उपलब्धि का प्रमाण क्या है?

(ii) किससे जकड़ा हुआ समाज आगे बढ़ नहीं पाता?

(iii) 'रमणीयता' और 'उद्दिष्ट' शब्दों का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(iv) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(v) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए।

अथवा

जो कुछ भी हम इस संसार में देखते हैं वह ऊर्जा का ही स्वरूप है। जैसा कि महर्षि अरविन्द ने कहा है कि हम भी ऊर्जा के ही अंश हैं। इसलिए जब हमने यह जान लिया है कि आत्मा और पदार्थ दोनों ही अस्तित्व का हिस्सा हैं, वे एक-दूसरे से पूरा तादात्म्य रखे हुए हैं तो हमें यह एहसास भी होगा कि भौतिक पदार्थों की इच्छा रखना किसी भी दृष्टिकोण से शर्मनाक या गैर-आध्यात्मिकता बात नहीं है।

(i) महर्षि अरविन्द ने क्या कहा है?

(ii) हम इस संसार में जो-कुछ देखते हैं वह क्या है?

(iii) 'अस्तित्व' और 'तादात्म्य' शब्दों का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(iv) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(v) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए।

4. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $5 \times 2 = 10$

लज्जाशीला पथिक महिला जो कहीं दृष्टि आये।
होने देना विकृत-वसना तो न तू सुन्दरी को।
जो थोड़ी भी श्रमित वह हो गोद ले श्रान्ति खोना।
होंठों की औ कमल-मुख की म्लानताएँ मिटाना।।
कोई क्लान्ता कृषक-ललना खेत में जो दिखावे।
धीरे-धीरे परस उसकी क्लान्तियों को मिटाना।
जाता कोई जलद यदि हो व्योम में तो उसे ला।
छाया द्वारा सुखित करना, तप्त भूतांगना को ।।

(i) वियोगिनी राधा लज्जाशील महिला के लिए पवन से क्या कहती है?

(ii) राधा कृषक-ललना की थकावट को दूर करने के लिए पवन को क्या समझती है?

(iii) 'व्योम' तथा 'भूतांगना' का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(iv) रेखांकित अंश का भावार्थ लिखिए।

(v) उपर्युक्त कविता का शीर्षक तथा कवि का नाम लिखिए।

घिर रहे थे घुँघराले बाल
अंश अवलम्बित मुख के पास;
नील घन-शावक-से सुकुमार
सुधा भरने को विधु के पास।
और मुख पर वह मृदु मुसक्यान
रक्त किसलय पर ले विश्राम;
अरुण की एक किरण अम्लान
अधिक अलसाई हो अभिराम।

(i) यहाँ किसकी सुन्दरता का मनोरम वर्णन किया गया है?
(ii) 'अरुण की एक किरण अम्लान अधिक अलसाई हो अभिराम' में कौन-सा अलंकार है?
(iii) 'अम्लान' तथा 'अभिराम' शब्दों का अर्थ स्पष्ट कीजिए।
(iv) रेखांकित अंश का भावार्थ लिखिए।
(v) उपर्युक्त कविता का शीर्षक तथा कवि का नाम लिखिए।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी **एक** लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 3+2=5
(i) वासुदेवशरण अग्रवाल (ii) हरिशंकर परसाई
(iii) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'

(ख) निम्नलिखित में से किसी **एक** कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 3+2=5
(i) मैथिलीशरण गुप्त (ii) सुमित्रानन्दन पन्त
(iii) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'।

6. 'ध्रुव यात्रा' अथवा 'बहादुर' कहानी का सारांश लिखिए। (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 5

अथवा

'पंचलाइट' अथवा 'लाटी' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी **एक** खण्ड के **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 5

(i) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधीजी का चरित्रांकन कीजिए।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर 'नमक आन्दोलन' की कथावस्तु लिखिए।

(ii) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर 'द्रोपदी' का चरित्रांकन कीजिए।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए।

(iii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के 'सप्तम सर्ग' की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कर्ण' की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।

(iv) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधीजी का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा

'आलोकवृत्त' के 'तृतीय सर्ग' की कथावस्तु लिखिए।

(v) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के नायक 'सम्राट हर्षवर्धन' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के 'चतुर्थ-सर्ग' की कथा संक्षेप में लिखिए।

(vi) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर 'दशरथ' का चरित्रांकन कीजिए।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के 'अभिशाप' सर्ग की कथावस्तु लिखिए।

(खण्ड-ख)

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी **एक** का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए। 2+5=7

यथैवोपकरणवतां जीवनं तथैव ते जीवनं स्यात्। अमृतत्वस्य तु नाशास्ति वित्तेन इति। सा मैत्रेयी उवाच – येनाहं नामृता स्याम् किमहं तेन कुर्याम्। यदेव भगवान् केवलममृतत्त्वसाधनं जानाति, तदेव मे ब्रूहि। याज्ञवल्क्य उवाच-प्रिया नः सती त्वं प्रियं भाषसे। एहि, उपविश, व्याख्यास्यामि अमृतत्त्वसाधनम्।

अथवा

बौद्धयुगे इमे सिद्धान्ताः वैयक्तिकजीवनस्य अभ्युत्थानाय प्रयुक्ता आसन्। परमद्य इमे सिद्धान्ताः राष्ट्राणां परस्परमैत्रीसहयोगकारणनि, विश्वबन्धुत्वस्य विश्वशान्तेश्च साधनानि सन्ति। राष्ट्रनायकस्य श्रीजवाहरलालनेहरूमहोदयस्य प्रधानमन्त्रित्वकाले चीनदेशेन सह भारतस्य मैत्री पञ्चशीलसिद्धान्तानधिकृत्य एवाभवत्। यतो हि उभावपि देशौ बौद्धधर्मे निष्ठावन्तौ। आधुनिके जगति पञ्चशीलसिद्धान्ताः नवीनं राजनैतिकं स्वरूपं गृहीतवन्तः।

(ख) दिये गये श्लोकों में से किसी **एक** का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए। 2+5=7

जल-बिन्दु निपातेन क्रमशः पूर्यते घटः।
स हेतुः सर्वविद्यानां धर्मस्य च धनस्य च ।।

अथवा

विरलविरलाः स्थूलास्ताराः कलाविव सज्जनाः
मन इव मुनेः सर्वत्रैव प्रसन्नममून्नभः।।
अपसरति च ध्वान्तं चित्तात्सतामिव दुर्जनः
ब्रजति च निशा क्षिप्रं लक्ष्मीरनुद्यमिनामिव।।

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी **एक** का अर्थ लिखकर अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए। 1+1=2

(i) उल्टी गंगा बहाना। (ii) दाल में काला होना।
(iii) हाथ कंगन को आरसी क्या। (iv) शौकीन बुढ़िया चटाई का लहँगा।

10. (क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन कीजिए :

(i) 'परमार्थः' का सही सन्धि-विच्छेद है : 1

(अ) पर + मार्थः (ब) परम् + अर्थः
(स) परम + अर्थः (द) परमा + अर्थः

(ii) 'तथेति' का सही सन्धि-विच्छेद है : 1

(अ) तथा + इति (ब) तथा + एति
(स) तथा + ऐति (द) तथ + एति

(iii) 'शयनम्' का सही सन्धि-विच्छेद है : 1

(अ) शे + अयनम् (ब) श + यनम्
(स) शय + नम् (द) शे + अनम्

(ख) दिये गये निम्नलिखित शब्दों की 'विभक्ति' और 'वचन' के अनुसार सही चयन कीजिए :

(i) 'आत्मने' शब्द में विभक्ति और वचन है : 1

(अ) द्वितीया विभक्ति, बहुवचन (ब) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन

(स) पञ्चमी विभक्ति, द्विवचन (द) सप्तमी विभक्ति, बहुवचन

(ii) 'नाम्नाम्' शब्द में विभक्ति और वचन है : 1

(अ) तृतीया विभक्ति, एकवचन (ब) पंचमी विभक्ति, द्विवचन

(स) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन (द) सप्तमी विभक्ति, एकवचन

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए :

(i) कुल-कूल – 1

(अ) वंश और शीतल (ब) समस्त और कपड़ा

(स) वंश और किनारा (द) पक्षी और किनारा

(ii) अंबुज और अम्बुद – 1

(अ) आम और समुद्र (ब) कमल और बादल

(स) कमल और समुद्र (द) समुद्र और कमल

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी **एक** शब्द के दो अर्थ लिखिए : 1+1=2

(i) अंक (ii) द्विज

(iii) पतंग।

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक 'शब्द' का चयन करके लिखिए :

(i) जो पहले कभी न हुआ हो – 1

(अ) भूतपूर्व (ब) अपूर्व

(स) अभूतपूर्व (द) भविष्यपूर्व

(ii) सत्य में जिसका दृढ़ विश्वास हो – 1

(अ) सत्यव्रत (ब) सत्यवादी

(स) सत्याग्रही (द) सत्यनिष्ठ

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : 1+1=2

(i) आप अनाधिकार चेष्टा कर रहे हैं।

(ii) एक फूल की माला खरीद लेना।

(iii) सुमन राजे तीसरा सप्तक की कवियत्री हैं।

(iv) बिटिया पराया नहीं, अपना धन होता है।

12. (क) 'शृंगार' रस ***अथवा*** 'शान्त' रस का लक्षण और उसका एक उदाहरण लिखिए। 1+1=2

(ख) 'यमक' अलंकार ***अथवा*** 'रूपक' अलंकार का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए। 1+1=2

(ग) 'चौपाई' छन्द ***अथवा*** 'सोरठा' छन्द का लक्षण और उदाहरण लिखिए। 1+1=2

13. स्टेशनरी की दुकान खोलने के लिए किसी बैंक के शाखा-प्रबन्धक को एक आवेदन-पत्र लिखिए जिसमें ऋण की माँग की गई हो। 6

अथवा

किसी विद्यालय के 'प्रबन्धक को, प्रवक्ता पद पर अपनी नियुक्ति के लिए एक आवेदन-पत्र लिखिए।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए : 9

(i) वर्तमान समाज में नारी की स्थिति

(ii) आरक्षण-व्यवस्था : वरदान या अभिशाप